क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 264, शुक्रवार, 19 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भाजपा को झटका : गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के बेटे महेन्द्र सिंह वाघेला ने छोड़ी पार्टी

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री शंकर सिंह वाघेला के पुत्र महेन्द्र सिंह वाघेला ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उत्तर गुजरात की बायड सीट पर पूर्व में कांग्रेस के विधायक रहे महेन्द्र सिंह वाघेला ने अपने पिता के पिछले साल कांग्रेस से नाता तोड़ने के बाद अन्य दर्जन भर विधायकों के साथ पार्टी छोड़ दी थी। उनमें से अधिकांश ने कुछ ही समय बाद भाजपा का दामन थाम लिया था पर उन्होंने इस साल जुलाई में अचानक भाजपा में शामिल होने की घोषणा की थी। इसके बाद पिता वाघेला ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि अपने समर्थकों की राय जाने बिना हड़बड़ी में लिया गया यह निर्णय है, जिस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि अगर यह फैसला नहीं बदला तो वह अपने पुत्र से सभी राजनीतिक संबंध तोड़ लेंगे। महेन्द्र सिंह वाघेला ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने भाजपा से त्याग- पत्र दे दिया है। वह फ्लिहाल राज्य से बाहर हैं और सोमवार अथवा मंगलवार तक गुजरात वापसी के बाद ही अपना पक्ष विस्तार से रखेंगे। उधर भाजपा के सूत्रों ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को संक्षिप्त इस्तीफा भेजा है जिसमें कारण का कोई उल्लेख नहीं है।

93वें जन्मदिन पर पूर्व सीएम ND तिवारी का निधन, उत्तराखंड में 3 दिनों का राजकीय शोक

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी (ND Tiwari) का दिल्ली के मैक्स अस्पताल में आज निधन हो गया है। एनडी तिवारी दिल्ली के साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती थे। विदित है कि एनडी तिवारी को पांच महीने पहले ब्रेन स्ट्रोक के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था और तब से मैक्स अस्पताल के डॉक्टर उनका इलाज किया था। नारायण दत्त तिवारी का 18 अक्टूबर 1925 को नैनीताल जिले के बलूती गांव में जन्म हुआ था। एनडी तिवारी का 93वें जन्मदिन पर निधन हुआ है। उत्तराखंड सरकार ने तीन दिनों का राजकीय शोक की घोषणा की है।

पीएम पद के थे दावेदार

1990 के चुनाव में वे प्रधानमंत्री पद के दावेदार थे। लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया और वे नैनीताल संसदीय सीट से लोक सभा का चुनाव मात्र 800 वोट से हार गए। इस पर प्रधानमंत्री की कुर्सी नरसिम्हा राव को मिली। कांग्रेस की कमान सोनिया गांधी के संभालने के बाद वे दो साल के भीतर ही कांग्रेस में शामिल हो गए। 1996 के लोक सभा चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नेतृत्व में कांग्रेस को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन तिवारी चुनाव जीतकर लोकसभा में पहुंच गए। 1999 में फिर से वे लोकसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए।

कोलकाता : अष्टमी की पूजा के लिए कन्याओं को गोद में ले जाते श्रद्धालु।

गुरुग्राम : सहेली के दोस्त ने किशोरी को होटल में ले जाकर लूटी आबरू

गुरुग्राम। दिल्ली में रहने वाली एक किशोरी ने गुरुग्राम के एक होटल में उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला दर्ज कराया है। दल्ली पुलिस ने इस मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कर गुरुग्राम पुलिस को भेजी है। पुलिस ने बुधवार को पीड़िता की शिकायत पर बाल यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना आठ अक्टूबर की है। दिल्ली पुलिस की ओर से भेजी गई जीरो एफ आईआर गुरुग्राम पुलिस को मंगलवार शाम को मिली। महिला थाना पुलिस के मुताबिक 16 वर्षीय किशोरी मूलरूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली है और यहां अपने परिवार के साथ दिल्ली के एक इलाके में रहती है। वह अपनी मां के साथ कोठियों में कामकाज करती है। पीड़िता के मुताबिक, अगस्त में उसकी दोस्ती सहेली के दोस्त अंकित भाटिया से हुई थी। दोनों के बीच फोन पर बातचीत के बाद आठ अक्टूबर को आरोपी अंकित ने उसे मिलने के लिए बुलाया। उसने बताया कि वह अपने घर से हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां से आरोपी ने उसे कैब में बैठाकर गुरुग्राम के एक होटल में ले आया। यहां आरोपी ने पहले से कमरा बुक करा रखा था। कमरे में पहुंचने के बाद आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो अंकित ने जान से मारने की धमकी देते हुए शारीरिक संबंध बनाए।

कॉन्ट्रैक्ट कर्मियों को पहले वाले न्यूनतम वेतन के तहत ही मिलेगा भुगतान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली सरकार, बोर्ड और कॉरपोरेशन की ओर से संविदा आधार पर भर्ती किए गए कर्मियों को चार अगस्त से पहले तय न्यूनतम वेतन के तहत ही भगुतान मिलेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने चार अगस्त को दिल्ली सरकार के मार्च 2017 के रोजगार के सभी वर्गों के कर्मियों के न्यूनतम वेतन को संशोधित करने के आदेश को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था न्यूनतम वेतन की समीक्षा वाला यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया था और प्रभावित होने वाले नियोक्ता या कर्मियों से भी बातचीत नहीं की गई थी। सिसोदिया ने कहा कि हाल ही में सरकारी स्कूलों और कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मियों और सिक्योरिटी गार्ड ने उनसे शिकायत की थी कि हाईकोर्ट के आदेश के परिणामस्वरूप उन्हें कम वेतन मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी जो दिल्ली सरकार, बोर्ड और कॉरपोरेशन में सीधी संविदा के आधार पर नियुक्त हैं या दिल्ली सरकार में विभिन्न कार्यों के लिए ठेकेदार द्वारा न्यूनतम वेतन दर आधार पर नियुक्त किए गए हैं, उन्हें चार अगस्त से पहले वाली दर से ही भुगतान मिलेगा।'' उन्होंने बताया कि यह फैसला मंत्रिमंडल की एक विशेष बैठक में लिया गया है।

»»» सोमवार को बंद रहेंगे दिल्ली के पेट्रोल पंप

15 दिनों में पेट्रोल के कारोबार में 20 और डीजल के कारोबार में 30 फीसद की आई कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोगों को सोमवार को परेशानी हो सकती है। सोमवार को जहां एक ओर डीटीसी अनुबंध कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन (डीपीडीए) ने 22 अक्टूबर को दिल्ली के सभी 400 पेट्रोल पंपों को बंद रखने की घोषणा की है। डीपीडीए की ओर से बुधवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में डीपीडीए के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया ने सोमवार सुबह छह बजे से अगले दिन सुबह पांच बजे तक 23 घंटे की हड़ताल पर जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस दौरान पेट्रोल पंप के अंदर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हम हड़ताल पर जाना नहीं चाहते हैं, लेकिन दिल्ली सरकार ने जिस तरह से मूल्य वर्धित कर (वैट) कम नहीं करने की बात कही है, उससे हमारा कारोबार पूरी तरह से चौपट हो गया है। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार पिछले 15 दिनों में पेट्रोल के कारोबार में 20 फीसद और डीजल के कारोबार में 30 फीसद की गिरावट आयी है।

इसके बाद भी हालात नहीं सुधरे तो हम आगे और कठोर कदम उठाएंगे। वहीं दूसरी ओर डीपीडीए के प्रवक्ता अतुल पेशवरिया ने कहा कि दिल्ली में हर साल सर्दियों के दिनों में प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। अभी से दिल्ली की आबोहवा खराब होनी शुरू हो गयी है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह यूरो 6 फ्यूल को लागू करने के दिशा में काम करे।

»»» प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार ने किया आगाह

पराली जलाने पर पाबंदी नहीं लगी तो सांस लेना हो जाएगा मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में अबकी बार फिर प्रदूषण की आहट महसूस की जा रही है। इसको देखते हुए दिल्ली सरकार ने एक बार फिर आगाह किया है कि पड़ोसी राज्यों में अगर फसलों के अवशेष को जलाने पर पाबंदी नहीं लगाई गई तो सर्दियों का मौसम पूरे उत्तरी भारत पर भारी पड़ेगा।

प्रदूषण की चपेट में आने में हालात गंभीर हो सकते हैं। इस बारे में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन ने बुधवार को सेटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं। इससे जाहिर होता है कि बड़े पैमाने पर पड़ोसी राज्यों में फसलों का अवशेष जलाया जा रहा है। दिल्ली सरकार का कहना है कि नासा से मिली नवीनतम तस्वीरों से पता चलता है कि उत्तर भारत में बड़े स्तर पर फसलों का अवेशष का जलाया जा रहा है। इससे सर्दी शुरू होते ही दिल्ली समेत उत्तर भारत स्मॉग की चपेट में आ सकता है। गंभीर बात यह है कि इसमें लगातार गिरावट आ रही है। अफसरों का कहना है कि मौजूदा वक्त बेहद संजीदा है। अगर अभी इसे नहीं रोका गया तो आने वाले वक्त बेहद गंभीर रहेगा। वायू प्रदूषण बढ़ने के साथ ही लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ेगा।

दिल्ली सरकार का कहना है कि यह समझ से परे है कि प्रत्यक्ष प्रमाण होने के बावजूद इस मसले को राज्य सरकारें नजरअंदाज क्यों कर रही हैं। उत्तरी राजस्थान व उसके आसपास चक्रवाती मौसम बनने से 5-10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा दिल्ली की ओर चल रही है। आसमान में हल्के बादल भी छाए हुए रहे। आगामी शनिवार व रविवार को हल्की बारिश की भी आशंका जताई जा रही है। सरकार का मानना है कि मौसमी दशाएं ठीक होने के बाद भी हवा में नमी की मात्रा ज्यादा होने व पराली को जलाने से वायु की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ेगा।

पीएम 10 व 2.5 के बीते तीन सालों के आंकड़े जारी करते हुये सरकार का कहना है कि बीते सालों की तुलना में इस साल के 15 अक्टूबर तक हवा में धूल कणों की औसत मात्रा कम है। दिल्ली सरकार का कहना है कि एक्शन प्लान लागू होने से घरेलू प्रदूषण पर रोक लगाने के लिये पूरे इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली में कूड़ा व फसलों के अवशेष को जलाने पर सख्त पाबंदी है। वहीं, निर्माण एजेसियों से गुजारिश की गई है कि वह निर्माण स्थलों को ढंककर रखें, जिससे धूल के कणों को नियंत्रित किया जा सके।

गजब! यहां उर्दू में होती है रामलीला, पाकिस्तान से आते हैं कलाकार

नई दिल्ली। अपने देश में एक ऐसी भी रामलीला होती है जहां तमाम कलाकार पाकिस्तान से आते हैं। यहां की रामलीला अपने आप में अद्भुत तो है ही लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह उर्दू भाषा में होती है। इस रामलीला को करीब से देखने वाले फरीदाबाद के एक थिएटर ग्रुप ने हमारे सहयोगी हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया कि हिन्दु पौराणिक ग्रंथ रामायण पर आधारित इस रामलीला रावण पर राम की विजय को जिस अनोखे अंदाज में दिखाया जाता है वह लोगों को बहुत ही पसंद आता है। फरीदाबाद में होने वाली इस रामलीला को उर्दू रामलीला नाम से भी जानते हैं। इस रामलीला को आप दो भाषाओं हिन्दी और उर्दू के संगम के रूप में देख सकते हैं। थिएटर ग्रुप ने बताया उनके उनके पूर्वज ऐसी रामलीलाएं किया करते थे। वे अपने पूर्वजों से सीख लेकर अभी तक उर्दू रामलीला जारी रखे हुए हैं।

ऑनर किलिंग की आशंका दो दिन पहले की थी शादी,

दूसरी महिला के साथ पंखे से लटकी मिली बॉडी,

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमीक्रोन-3 में गुरुवार तड़के एक बंद फ्लैट के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में युवक-युवती के शव पंखे से लटके हुए मिले। मामले की सूचना मिलते ही सूरजपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में ऑनर किलिंग के तहत हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे। कोतवाली सूरजपुर क्षेत्र में सेक्टर ओमीक्रोन-3 की लोट्स सोसाइटी के एक फ्लैट में युवक-युवती के शव पंखे से लटके होने की सूचना पर गुरवार तड़के करीब 3 बजे पुलिस सोसाइटी में पहुंची। मृतक युवक की पहचान गौरव धामा निवासी बागपत और युवती प्रीति निवासी लोनी गाजियाबाद के रूप में हुई है। गौरव करीब डेढ़ महीने पहले इस सोसाइटी में रहने के लिए आया था। 16 अक्टूबर को उसने फेसबुक पर लव मैरिज किए जाने की जानकारी पोस्ट की थी, जबकि प्रीति का विवाह करीब 5 साल पहले ग्रेटर नोएडा के सुनपुरा गांव निवासी प्रदीप से हुआ था। महिला के दो बच्चे भी हैं। प्रीति 16 अक्टूबर से ही घर से गायब थी, जिसकी पति समेत सभी घरवाले तलाश कर रहे थे।

7 घंटे बाद पुलिस को दी सूचना

इसी बीच बुधवार शाम करीब 8:30 बजे सोसाइटी में रहने वाली महिला ने पति और कुछ लोगों के साथ मिलकर इस फ्लैट का ताला तोड़ा तो गौरव और प्रीति पंखे से लटके मिले। घटना के करीब 7 घंटे बाद गुरुवार तड़के करीब 3:00 बजे इस मामले की सूचना 100 नंबर पर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

एसपी देहात विनीत जयसवाल ने बताया कि दोनों पक्षों के परिजनों से पूछताछ के आधार पर करीब 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मौके से की सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में हत्या किए जाने की आशंका लग रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामला स्पष्ट हो सकेगा। वहीं, गौरव के परिजनों ने उसके शरीर पर चोट के निशान होने की जानकारी भी दी है। पुलिस इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्जकर कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

मुंबई : हज हाउस पर तिरंगा लहराए जाने के मौके पर केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी।

महाराष्ट्रः पत्नी से मामूली बात पर हुई बहस तो व्हाट्सएपं के जरिये भेज दिया 'तीन तलाक'

एजेंसी, औरंगाबाद। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एक मुस्लिम व्यक्ति ने व्हाट्सएप (WhatsApp) के जरिये अपनी पत्नी को कथित रूप से 'तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने गुरूवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पत्नी की शिकायत पर आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के वैजापुर तालुक में खंडाला गांव निवासी जावेद साबिर पठान के खिलाफ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अध्यादेश,2018 की धारा चार के तहत बुधवार को मामला दर्ज किया गया। तीन तलाक याचिकाकर्ता डॉ. समीना पर तेजाब हमले की घटना निकली फर्जी पुलिस निरीक्षक अनंत कुलकर्णी ने बताया,''जावेद ने दिसम्बर 2016 में शबाना निसार शेख उर्फ साभा से निकाह किया था। लगभग एक वर्ष तक उनके बीच सब कुछ ठीक चलता रहा। हालांकि इसके बाद उनके बीच मामूली बातों को लेकर बहस होने लगी। उन्होंने कहा,'' नौ सितम्बर (2018) को जावेद शबाना को कन्नड़ तहसील (जिले में) उसकी एक रिश्तेदार के घर पर छोड़ आया और इसके बाद वह उसे वापस लेने नहीं आया। शबाना के अभिभावक उसके घर गये और समझौता करने का आग्रह किया। लेकिन 23 सितम्बर को जावेद ने व्हाट्सएप पर उसे तीन तलाक का संदेश भेज दिया। तीन तलाक खत्म करने से मुस्लिम महिलाओं के सम्मान की रक्षा : शाह शबाना ने बुधवार को वैजापुर पुलिस थाने में उसके खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद जावेद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन हवा की गुणवत्ता रही 'बहुत खराब', AQI स्तर 315 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ''बहुत खराब'' रही। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में प्रदूषण की स्थिति गंभीर रही। केंद्र द्वारा संचालित सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के मुताबिक, दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 315 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में प्रदूषण की स्थिति गंभीर रही।

संपादकीय

''रॉइट आफ्टर रॉइट'

सरकार से रुखसत होना ही पड़ा। इसको ऐसे भी कहा जा सकता है-बड़े बेआबरू हो कर तेरे कूचे से हम निकले। जब यौन शोषणों के होते खुलासों से इस्तीफा लाजिमी हो गया था तब फिर अकबर के अकड़ने की वजह किसी को भी समझ में नहीं आ रही थी। यह ठीक है कि उन औरतों के आरोपों की जांच अभी नहीं हुई है, लेकिन वे अपने साथ हुए जुल्मों को जिस तरह से बयान कर रही थीं, वह किसी को भी नैतिकता के साथ कर देने के लिए काफी थीं। एक नहीं, दो नहीं, 33 महिलाओं के अकबर के खिलाफ यौन शोषणों के आरोप लगाने के बावजूद उनका केंद्रीय कैबिनेट में बने रहना आम आदमी और पढ़े-लिखों के तबकों में उबाल पैदा करता था। अकबर पर काम-विकृति जैसे गंभीर आरोप लगे हैं, वह औरत जैसी कौम के बाबत उनके निकृष्ट रवैये को जाहिर करते हैं। लेकिन अकबर ने जो अब किया है।

सतीश पेडणोकर

भिन्न-भिन्न आरोपों से घिरे यूपीए सरकार के मंत्रियों के साथ कैसा सलूक करती थी। उनके इस्तीफों के लिए संसद में गतिरोध पैदा कर देती थी। उसकी पितृ संस्था संघ परिवार तो एक ऐसा संगठन है, जो लक्ष्य साधने के लिए असंवैधानिक तरीकों के इस्तेमाल से भी गुरेज नहीं करता है, जब उसे लगता कि लोकतांत्रिक संस्थाएं उसको वह सब नहीं करने दे रही हैं। आखिरकार अकबर को सरकार से रुखसत होना ही पड़ा। इसको ऐसे भी कहा जा सकता है-बड़े बेआबरू हो कर तेरे कूचे से हम निकले। जब यौन शोषणों के होते खुलासों से इस्तीफा लाजिमी हो गया था तब फिर अकबर के अकड़ने की वजह किसी को भी समझ में नहीं आ रही थी। यह ठीक है कि उन औरतों के आरोपों की जांच अभी नहीं हुई है, लेकिन वे अपने साथ हुए जुल्मों को जिस तरह से बयान कर रही थीं, वह किसी को भी नैतिकता के साथ कर देने के लिए काफी थीं। एक नहीं, दो नहीं, 33 महिलाओं के अकबर के खिलाफ यौन शोषणों के आरोप लगाने के बावजूद उनका केंद्रीय कैबिनेट में बने रहना आम आदमी और पढ़े-लिखों के तबकों में उबाल पैदा करता था। अकबर पर काम-विकृति जैसे गंभीर आरोप लगे हैं, वह औरत जैसी कौम के बाबत उनके निकृष्ट रवैये को जाहिर करते हैं। लेकिन अकबर ने जो अब किया है, उसके बजाय अपनी यौन उन्मत्तता पर पानी-पानी हो उठने के बजाय वह शोषण के खुलासों और इनके बिना पर इस्तीफे की मांग को अपने खिलाफ साजिश बता रहे थे और इसे चुनावी राजनीति से जोड़ने का ओछापन दिखा रहे थे, जबकि वह केंद्र में विदेश राज्य मंत्री जैसे ओहदे पर थे। इसके पहले वह प्रतिभाशाली पत्रकार और बेहतरीन लेखक रहे थे, जिनसे जिम्मेदारी की अपेक्षा लाजिमी है। इसके मुताबिक सलूक करने के बजाय वह निहायत घटिया तरीके से अपनी बेगुनाही का दावा ठोक रहे थे तो दूसरी तरफ 97 वकीलों की एक पूरी पलटन उन निहत्थी महिलाओं के विरुद्ध उतार रहे थे, जो उनके शोषण की शिकार हुईथीं।

यह साबित करता है कि अकबर डरे हुए हैं और अपने बचाव के प्रति खुद का भरोसा भी खो चुके हैं। और देखिये कि वकीलों की इतनी बड़ी फौज उनकी हिफाजत नहीं कर सकी और अगले दिन ही सत्ता से उन्हें बेदखल होना पड़ा। यह ठीक है कि सजा सुनाये जाने के पहले तक वह निदरेष माने जा सकते हैं-कानून की नजर में-और उन्हें अपनी बेगुनाही साबित करने का पूरा हक है। लेकिन फिलहाल तो एमजे अकबर ने अपनी और सरकार की नैतिकता की खूब किरकिरी करा ली है। हर आदमी अचंभित था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क्यों एक ऐसे शख्स को अपने कंधे पर ढो रहे हैं जो उनके मंत्रिमंडल के लिए हद तक शर्मिंदगी का सबब बना हुआ है। इसके बावजूद कि (1) अकबर का सियासी कद बहुत बड़ा नहीं है, उनका जनाधार भी नहीं है और न ही सांगठनिक संरचना या नेतृत्व पर उनकी कोई पकड़ है? (2) अकबर को अपने दफ्तर में बैठे-बैठे अपने बचाव में 97 वकीलों की फौज जमा करने की इजाजत देने से भी मोदी का ''बेटी बचाओ' अभियान खोखला साबित हो रहा था। राजनीति तो पहले से ही अपनी गरिमा और नैतिकता खोती जा रही है। ऐसे लोग जिनकी आम लोगों में छवि बदमाश, भू-माफिया, यौन-उत्पीड़कों, बलात्कार, हत्या, लूट, गिरोहबाजी आदि की है, बड़ी तादाद में विधायिका में प्रवेश पा रहे हैं या आसन जमाये हुए हैं। फिर भी अकबर को मोदी मंत्रिमंडल में बनाये रखकर भाजपा अपने घमंडी तेवर का ही परिचय दे रही थी। वह भूल गईथी कि यूपीए सरकार के साथ वह कैसा सलूक करती थी। तब भिन्न-भिन्न आरोपों में घिरे मंत्रियों के इस्तीफों के लिए संसद में गतिरोध पैदा कर देती और सड़कों पर उतर जाती थी। उसकी पितृ संस्था संघ परिवार तो एक ऐसा संगठन है, जो लक्ष्य साधने के लिए गलत और असंवैधानिक तरीकों के इस्तेमाल से भी गुरेज नहीं करता है, जब उसको लगता है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं उसको वह सब नहीं करने दे रही हैं, जो वह चाहता है। न्यायपालिका को दिये आश्वासन के बाद भी बाबरी मस्जिद को गिरा देना उसका ऐसा ही कृत्य रहा है। फिर भी भाजपा सरकार ने अगर अकबर का इस्तीफा लिया है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें नैतिक बोध जग गया है, जो कहती थी कि इस्तीफा देना यूपीए सरकार का फर्ज था। राजग में इस्तीफे का रिवाज नहीं है। अकबर से उसकी शुरुआत हो गई है। हालांकि उसकी एक बड़ी वजह पांच राज्यों के चुनाव हैं, जिसमें भाजपा का बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है। इसने भाजपा को भी डराया हुआ है। पर यह सबको पता है कि निगमित प्रतिष्ठानों के अलावा मीडिया और अकादमिक क्षेत्र में यौन शोषण सर्वाधिक होता है। इन क्षेत्रों में युवाओं का करियर उनके वरिष्ठों की कृपा पर निर्भर करता है। और कई लोग इस स्थिति का नाजायज फायदा उठाते हैं। इसलिए, आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती है : यौन-उपभोगी मध्यवर्ग के सामूहिक नैतिक विकृति से कैसे पीछा छुड़ाया जाए ?अकबर के जैसे वाहियात वाकयात सामने आ रहे हैं, उनको देखते हुए कौन भरोसा करेगा कि वह खोजी पत्रकारिता की बुनियाद रखने वाले एक बेहद प्रतिभाशाली पत्रकार थे। 1980 के दशक में प्रकाशित उनकी किताब ''रॉइट आफ्टर रॉइट' धारधार रिपोटरे का एक उम्दा संकलन थी। वह ऐसा दौर था, जब देश में भारतीय मुसलमानों के खराब हालात अहम सियासी बहस-मुहाबिसों में वाजिब मुद्दे हुआ करते थे। गोपाल सिंह कमेटी की रिपोर्ट भी तब तक आ चुकी थी। सो, इस पुस्तक ने राजनीतिक हलक़ों में एक हलचल मचा दी थी। इसी अकबर को कांग्रेस ने सियासत में ला कर बिहार के किशनगंज से लोक सभा चुनाव लड़ाया था और जिसमें वह विजयी रहे थे। 1991 में पीवी नरसिंहराव के जमाने में वह मानव संसाधन विभाग मंत्री के सलाहकार भी बनाए गए थे। हालांकि बाद में, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से नहीं बनने के चलते वह भाजपा में चले गए। जब अटल बिहारी वाजपेयी सत्ता में आए तो अकबर की किताब ''शेड्स ऑफ सोर्डस' छपी, जो कि जिहादी इस्लाम के बारे में थी और जो उस दौर की सियासी बहस के मुनासिब थी, जो हिन्दुत्व समर्थक ताकतों के अलावा 9/11 के बाद के अमेरिका को भी वह जंची थी। अपने आत्मकथात्मक उपन्यास ''ब्लड ब्रदर्स' में अकबर ने भारतीय मुसलमानों विशेषकर 1960 के दशक में उनकी दुरावस्था का चितग्रकिया है। इस पुस्तक में जो बातें कही गई थीं, वह सच्चर कमिटी की रिपोर्ट की चिंताओं को प्रतिध्वनित करती थीं। वर्ष 1991 में, टाइम्स ऑफइंडिया में अकबर ने एक कॉलम लिखा था ''क्या इस्लाम खतरे में है'। इसमें सर सैयद के बारे में जितनी भी बुरी बातें कही जा सकती थीं, कही गई थीं। लेकिन जब अकबर को सर सैयद स्मृति व्याख्यान के लिए बुलाया गया तो उन्होंने काफी सकारात्मक बातें कहीं। अब यही अकबर सबकी आंखों की किरकिरी बन गए हैं, जो उनके बुरे हश्र को दर्शाता है।

धर्मगुरु का खेल

आश्रम के संस्थापक धर्मगुरु रामपाल को 15 लोगों के साथ उम्र कैद की मिली सजा से किसी को आश्चर्य नहीं हुआ है। पिछले 11 अक्टूबर को ही हिसार के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विशेष न्यायालय ने इनको हत्या, हत्या की साजिश आदि में दोषी करार दे दिया था। उसके बाद इनको सजा होनी ही थी। 2014 का दृश्य देश भूल नहीं सकता। उस समय पुलिस सहित अन्य सुरक्षा बलों तथा आश्रम के बीच मोर्चाबंदी जैसी स्थिति थी। हालांकि इस बात पर विवाद है कि पुलिस ने उस तरह वहां हमला करने की जगह रात के समय छापा मारकर कार्रवाई क्यों नहीं की? पुलिस की अतिवादिता भी साफ दिख रही थी। किंतु न्यायालय के सामने जो तय आएंगे वह फैसला उसी आधार पर देगा। छह लोगों की उस घटना के दौरान मौत हुई थी। निश्चय ही इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी किंतु रामपाल के लिए बाहर निकलना इस समय मुश्किल लगता है। कैद रहने के साथ ही उनके द्वारा स्थापित पंथ का भी अंत हो गया लगता है। उनके ज्यादातर आश्रम जब्त किए जा चुके हैं। उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रमुख सामानों की भी नीलामी हो चुकी है। आशंकाओं के विपरीत सजा सुनाए जाने के बाद किसी तरह की हिंसा नहीं होना राहत की बात है। माना जाता है कि रामपाल ने आर्यसमाज से अलग कई संतों के विचारों को मिलाकर एक अलग संप्रदाय चलाने की कोशिश की थी। इसका स्थानीय स्तर पर भी विरोध होता था, पर उसके अनुयायियों की संख्या बढ़ती गई। किंतु यह बात समझ से परे है कि जब पुलिस ने आश्रम को घेरा तो अहिंसक तरीके से आत्मसमर्पण करने की बजाय उतना उत्पात क्यों मचाया गया? अगर रामपाल ने स्वयं को पुलिस के हवाले कर दिया होता तो वैसी भयानक स्थिति पैदा ही नहीं होती। हो सकता है उसके बाद वह रिहा भी हो जाते। एक धार्मिक व्यक्ति की पहचान ऐसे ही अवसरों पर होती है। संकट के क्षण में आप कितना सात्विक व्यवहार कर पाते हैं, यही तो धार्मिकता है। रामपाल को एक सच्चे धर्मगुरु का आचरण करते हुए अपने समर्थकों को उस समय पुलिस से भिड़ने से रोकना चाहिए था जो वह नहीं कर पाए। वैसे यह भी सच है कि प्रचार के विपरीत अंदर आश्रम से कोई भी अवैध अस्त्र बरामद नहीं हुआ। आश्रमों में लाठियों आदि का मिलना सामान्य बात है। किंतु पुलिस को उस समय जो परेशानी उठानी पड़ी उसके बाद रामपाल एवं उनके सहयोगियों के लिए बचने के रास्ते लगभग बंद हो गए थे।

कैबिनेट ने अपनी मंजूरी

उत्तर प्रदेश के शहर इलाहाबाद का नाम अब प्रयागराज होगा। नाम बदलने का यह प्रस्ताव खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रखा था। कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने इलाहाबाद में कुंभ मार्गदर्शक मंडल की बैठक की अध्यक्षता की थी। इसी में यह मुद्दा उठा था। यह कदम राजनीति-प्रेरित है। दो हजार उन्नीस में प्रयाग में अर्ध कुंभ मेले का आयोजन होगा और इसी वर्ष लोक सभा का चुनाव है। जाहिर है कि हिन्दुओं के एक वर्ग को प्रसन्न करके उनका वोट प्राप्त करने के लिए सूबे की सरकार ने यह निर्णय लिया है। शहर के नागरिकों ने कभी इसके लिए कोईबड़ा आंदोलन नहीं किया और न सरकार पर किसी तरह का दबाव था। इसका एक कारण यह भी है कि जहां पर कुंभ मेला लगता है, उस स्थल को प्रयागराज के नाम से ही जाना जाता है। वैसे भी आधुनिक लोकतांत्रिक राज्यों के नागरिकों को शहरों के नाम से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल बात यह है कि शहरों में नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हों। इस कसौटी पर इलाहाबाद काफी पिछड़ा हुआ है। पहले यह शहर विद्या, संस्कृति और राजनीति, तीनों का केंद्र था। पिछले कुछ दशकों से इलाहाबाद और बनारस जैसे गौरवशाली शहर हाशिये पर आ गएहैं। सही मायने में इलाहाबाद और बनारस को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की जरूरत है। इलाहाबाद पवित्रतम गंगा और यमुना के संगम पर स्थित है। यहीं पर सरस्वती गुप्त रूप से मिलती है, इसलिए इसे त्रिवेणी संगम भी कहा जाता है। यहां प्रत्येक बारह वर्ष में कुंभ मेला लगता है।

मुगल सम्राट अकबर ने 16 वीं सदी में आधुनिक इलाहाबाद बसाया था। कहा जाता है कि अकबर द्वारा चलाए गए नये धर्म ''दीन-ए-इलाही' के संदर्भ में यह नाम रखा था। सभी धर्मो के प्रति सहिष्णुता इस धर्म का उद्देश्य था। हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल होने के साथ-साथ यहां धर्मनिरपेक्षता की विरासत भी काफी मजबूत है। बाग-बगीचे की खूबसूरती किस्म-किस्म के रंग-बिरंगे फूलों से ही बढ़ती है। दरअसल, महज शहरों के नाम बदलने जैसे सतही कामों से जनाकांक्षाएं पूरी नहीं होतीं। अगर सरकार वास्तव में जनता के प्रति जवाबदेह है, तो उसे पुराने शहरों को नये ढंग से से विकसित करने की योजना पर विचार करना होगा।

चलते चलते

रोहिंग्या

गुजारे के लिए वे कहीं भी चले जाते हैं क्योंकि जहां पैदा हुए, जन्म लिया वहां गुजारा नहीं। सो, महाराष्ट्र जाते हैं, असम जाते हैं, हरियाणा और पंजाब जाते हैं, वैसे ही वे गुजरात भी जाते हैं। वे पर्यटक नहीं हैं कि गुजरात में कुछ दिन गुजारने के लिए जाएं, रण घूमें, रानी की बाऊड़ी देखें, गिर के शेर देखें और चाहें तो रण के गधे भी देखें और देखकर लौट जाएं। वैसे तो अब गिर भी क्या घूमें, वहां भी शेर मर रहे हैं। अलबत्ता, किसानों की तरह नहीं मर रहे, आत्महत्या नहीं कर रहे, वे तो लगता है कि गऊशालाओं की गायों की तरह मर रहे हैं। शेर अगर गाय की तरह मरने लगे तो यह नहीं कहा जा सकता है कि उसके अच्छे दिन चल रहे हैं और बुरे दिन कहने का आजकल रिवाज नहीं है। बड़े बुजगरे ने भी बुरे को बुरा कहने की मनाही की है।

असम जाते हैं, हरियाणा और पंजाब जाते हैं, वैसे ही वे गुजरात भी जाते हैं। वे पर्यटक नहीं हैं।

पर गुजरात कोई अमेरिका भी नहीं है कि ट्रंप का डर हो। हालांकि हमने अपने-अपने ट्रंप हर जगह पैदा कर लिए हैं, मुंबई से लेकर असम तक और अब तो गुजरात में भी। पर गुजरात अमेरिका नहीं है जहां ट्रंप साहब यह तो कहें कि आई लव इंडिया, पर अमेरिका में न घुसने दें। गुजरात में भी आई लव इंडिया कहने वालों की कमी नहीं, पर उन्होंने अब तक ट्रंप की तरह बाहर से आने वालों के लिए अपने फाटक बंद नहीं किए थे। खैर, गुजरात जाने वाले भी वैसे शरणार्थी नहीं हैं कि सीरिया से उजड़े तो यूरोप की तरफ भागे। पर आजकल शरणार्थियों को शरण कहां मिलती है। रोहिंग्या शरणार्थियों को ही खदेड़ने की बात हो रही है-दीमक कहीं के। लगता है शरणार्थियों के भी अच्छे दिन चले गए। जब अमेरिका और यूरोप बाहें फैलाकर उनका स्वागत करते थे-आओ नी पधारो म्हारे देश। पर गुजरात जाने वाले शरणार्थी नहीं हैं और न ही गुजरात अमेरिका है, कि ट्रंप साहब फाटक बंद कर देंगे। न वे किसी की सीख पर गुजरात जाते हैं और न ही भीख के लिए गुजरात जाते हैं। वे तो पेट की भूख के लिए गुजरात जाते हैं, वैसे ही जैसे दूसरी जगहों पर जाते हैं। गुजारे के लिए गुजरात जाते हैं। पर लगता है कि गुजरात में भी गुजारा नहीं। वैसे ही जैसे असम में नहीं, मुंबई में नहीं, वैसे ही गुजरात में भी गुजारा नहीं। अब गुजरात में भी गुजारे के लिए रोटी नहीं, डंडे मिल रहे हैं, हालांकि वे किसानों की तरह मार्च करने नहीं गए हैं। अब गुजरात से भी उन्हें लात-घूंसे पड़ रहे हैं, गालियां पड़ रही हैं, उन्हें वहां से खदेड़ा जा रहा है-भागो दीमक कहीं के। हालांकि वे न तो बंगलादेशी हैं, न ही रोहिंग्या। वे तो भारतीय ही हैं। बस, फर्क यह है कि यूपी के हैं, बिहार के हैं।

इतिहास-बोध

इस देश का जन-मानस अपने इतिहास-बोध में बहुत सारी चीजों पर बहुत साफ है। कभी सुना है किसी को बोलते हुए कि हमने प्रयागराज का अमरूद खाया और इलाहबाद में कुंभ की डूबकी लगाई? इसलिए आप भी इलाहाबादी अमरूद खाइए और प्रयागराज में संगम नहाइए। बाकी तो जो है, सो हईये है.. सला का घोसला कमाल की कॉमेडी फिल्म है। हंसाती है। मगर सच्चाई से रू-ब-रू भी कराती है कि कैसे संपत्ति हड़पने वाला माफिया किशन खुराना और उसके दलाल ने आवश्यक कागजी कार्रवाई के बिना जमीन बेच दी। वे सिर्फ काल्पनिक पात्र नहीं हैं। वे असली दुनिया में असंख्य अवतार पाते हैं, और खरीदारों का हर तरह से फायदा उठाते हैं। फिल्म में जिस तरह अभिनेता बोमन ईरानी दूसरे की जमीन दिखाकर पैसे ले लेते थे, वैसे अब तक कई मामले हो चुके हैं। बाद में पता चला वह किसी और का प्लॉट है। उसमें भूमि पर कब्ज़ा करने के लिए स्थानीय पहलवानों का सहारा लिया जाता है। ऐसा भी कई जगह होता है। दरअसल, उचित नियमों का अभाव आज भी रियल एस्टेट घोटालों की बढ़ती संख्या का प्रमुख कारण है। इसलिए कहानी की सीख यह है कि आप संपत्ति अधिग्रहण की विभिन्न प्रक्रियाओं में अधिक सावधानी बरतें क्योंकि भारत में लैंड रिकॉर्ड की हालत बहुत खस्ता है। भारत में आम तौर पर मुकदमों की वजह यह है क्योंकि हमारे देश में लैंड रिकॉर्ड को लेकर पारदर्शिता और स्पष्टता नहीं है जबकि किसी भी मार्केट इकॉनमी में जरूरी है कि निजी संपत्ति की व्यवस्था स्पष्ट हो। ऐसा न होने के कारण भारत की अदालतों में लंबित पड़े दो तिहाई मामले संपत्ति विवाद के हैं, जिनका निपटारा होने में 20 साल लग जाते हैं। नतीजतन, करोड़ों भारतीय वित्तीय संस्थाओं से कर्ज लेने के लिए अपनी संपत्ति का इस्तेमाल नहीं कर पाते। इसका सबसे ज्यादा शिकार गरीब ही होते हैं। पीआरएस लेजिसलेटिव की एक रपट के मुताबिक भारत में लैंड रिकॉर्ड की हालत बहुत खस्ता है, उनका रखरखाव ठीक नहीं है, और उनसे जमीनी हकीकत की सही जानकारी नहीं मिलती। देश भर में पिछले दशक में इस मामले में हुई प्रगति एक जैसी नहीं है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और महाराष्ट्र बाकी राज्यों से बेहतर स्थिति में हैं। लैंड रिकॉर्ड में फैली अव्यवस्था दूर करने का काम कुछ राज्यों ने ही किया है। केंद्र सरकार द्वारा इस मामले में प्रोजेक्ट शुरू के जाने से पहले कर्नाटक ने भूमि प्रोजेक्ट शुरू किया था। इस सदी की शुरुआत में ही राज्य सरकार ने भूमि आलेखों का कंप्यूटरीकरण करना शुरू कर दिया था। अधिकार पट्टे पर देने और फसल के बारे में दस्तावेज कियोस्क के जरिए मिल जाते थे। जमीन के बारे में बुनियादी जानकारी हासिल करने के लिए रिश्वत देने की जरूरत नहीं रही थी। दूसरा राजस्थान ने अप्रैल, 2016 में शहरी भूमि अधिनियम पारित किया। यह कानून सुनिश्चित करता था कि राज्य सरकार राजस्थान के लैंड रिकॉर्ड की गारंटी देगी। डिफेक्टीव भू आलेख जारी होने पर मुआवजा देगी। ब्लॉकचेन ऐसी तकनीक है, जिससे लैंड रिकॉर्ड एक बार जनरेट हो जाने के बाद उसे न बदला जा सकेगा। न छेड़छाड़ हो सकेगी। इससे मुकदमों और विवादों में कमी आएगी। भारत की लैंड रिकॉर्ड को डिजिटाइज्ड करने की कोशिश से अनुमानित के बजाय तयों के आधार पर प्रमाणित टाइटल्स मिलेंगे। कंप्यूटरीकरण का काम अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। मगर सरकार ने अब इसके लिए 2021 का साल तय किया है। इस देरी से बचा जा सकता था।

सत्संग

दोष

अपनों दोषों को छिपाने और गुणों को प्रकट करने की आदत होती है। कोई भी पिता अपने प्यारे पुत्र के दोषों को नहीं प्रकट करता है। वह तो उसकी प्रशंसा के पुल ही बाँधता रहता है। दुगरुणी बालक को न तो कोई मार डालता है और न जेल ही पहुंचा देता है, वरन् यह प्रयास करता है कि किसी सरल उपाय से उसके दुगरुण दूर हो जाए या कम हो जाए। यदि यही बात अपने परिजनों के साथ हम रखें, तो उनके अंदर जो बुरे तत्त्व वर्तमान हैं, वे घट जायेंगे। डाकू, हत्यारे, ठग, व्यभिचारी आदि क्रूर कर्मी लोग भी अपने स्त्री, पुत्र, भाई, बहिन आदि के प्रति मधुर व्यवहार ही करते हैं। सिंह अपने बाल-बच्चों को नहीं फाड़ खाता। प्रेम एक ऐसा गोंद है, जो टूटे हुए हृदय को जोड़ता है। बिछुड़ों को मिलाता है। यदि किसी के साथ हमारा आत्मभाव सच्चा है और नि:स्वार्थ भाव से हम उसके साथ अपनेपन की भावना रखते हों, तो सच मानिये वह हमारा गुलाम बन जायेगा। दोषों से रहित इस संसार में कोई एक भी व्यक्ति नहीं है। किसी की एक बुराई देखकर उस पर आग बबूला हो जाना, सब बुराई की खान मान लेना उचित नहीं है। यदि हम ध्यान से देखेंगे तो मालूम होगा कि उसमें बुराइयों के साथ कुछ अच्छाइयां भी हैं। आत्मोन्नति यही तो है कि अपनेपन के दायरे को छोटे से बड़ा बनाया जाय। जिनका अपनापन केवल अपने शरीर तक ही है, वे कीट, पतंग जैसे नीच श्रेणी के हैं। जो अपनी संतान तक आत्म भाव को बढ़ाते हैं। वे पशु-पक्षी से कुछ ऊंचे हैं। जिनका अपनापन कुटुम्ब तक सीमित है, वे असुर हैं। जिनका अपनापन अपनी संस्था राष्ट्र तक है, वे मनुष्य हैं। जो समस्त मानव जाति को अपनेपन से ओत-प्रोत देखते हैं, वे देवता हैं। जिनकी आत्मीयता चर-अचर तक फैली है, वे जीवनमुक्त पर प्रसिद्ध हैं। जो आत्मभाव का जितना विस्तार करता है, अधिक लोगों को अपना समझता है, दूसरों की सेवा-सहायता करता है, उनके सुख-दु:ख में अपना सुख-दु:ख मानता है, वह ईर के उतना ही निकट है। आत्म विस्तार और ईर आराधना एक ही क्रिया के दो नाम हैं। एक उदार व्यक्ति पड़ोसी के बच्चों को खिलाकर बिना खर्च के उतना ही आनन्द प्राप्त कर लेता है, जितना कि बहुत खर्च और कष्ट के साथ अपने बालकों को खिलाने में किया जाता है। अपने हंसते हुए बालकों को देखकर हमारी छाती गुदगुदाने लगती है।

फोटोग्राफी...

धर्मशाला : पहली इंटर सर्विस एक्यूरेसी पैराग्लाइडिंग चैंपियनशिप में शिरकत करते प्रतिभागी।

सार समाचार

2014 को हुई गोलीबारी के सिलसिले में 116 पाकिस्तानी पुलिसकर्मी निलंबित

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अधिकारियों ने 2014 में प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करने और कई लोगों की जान लेने के मामले में कई शीर्ष अधिकारियों सहित कम से कम 116 पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस गोलीबारी की यह घटना लाहौर के मॉडल टाउन इलाके में 2014 में हुई थी। अतिक्रमण के विरूद्ध चलाए जा रहे एक अभियान के दौरान कनाडाई-पाकिस्तानी मौलवी ताहिर उल कादरी के घर के बाहर जमा पाकिस्तान आवामी तहरीक (पीएटी) के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने गोलियां चलाई थीं। घटना में कम से कम 14 लोग मारे गए थे जबकि 100 अन्य घायल हो गए थे। न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, पंजाब के नव-नियुक्त पुलिस महानिरीक्षक अमजद जावेद सलीमी ने 14 लोगों की मौत के सिलसिले में पुलिस उपाधीक्षकों, निरीक्षकों और जांच अधिकारियों सहित 116 पुलिसकर्मियों को इस सप्ताह उनके पदों से हटा दिया।जिन अधिकारियों को पद से हटाया गया है उन्हें अगले आदेश तक लाहौर पुलिस लाइन में रिपोर्ट करने को कहा गया है। हत्या की जांच के सिलसिले में चार पुलिस अधीक्षकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का पहले ही तबादला हो चुका है। पीएटी के प्रमुख कादरी ने मामले में न्याय की मांग की थी और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए सभी आरोपी पुलिसकर्मियों को निलंबित किये जाने का अनुरोध किया था।

तालिबान ने नाटो काफिले को बनाया निशाना, दो नागरिकों की मौत

काबुल। तालिबान के एक आत्मघाती हमलावर ने अफगानिस्तान की राजधानी के निकट नाटो के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई और चेक गणराज्य के पांच सैनिक घायल हो गए। अफगानिस्तान के अधिकारियों और चेक गणराज्य की सेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय गवर्नर की प्रवक्ता ने बताया कि यह हमला बुधवार को परवाण प्रांत के बगराम जिले में हुआ। इसमें अफगानिस्तान के तीन नागरिक घायल हो गए थे। बगराम काबुल से 40 किलोमीटर दूर है। तालिबान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। तालिबान के प्रवक्ता जैबिहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने नाटो काफिले में अपनी कार घुसा दी थी। अफगानिस्तान में शनिवार को संसदीय चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले यह हमला हुआ है। पूरे अफगानिस्तान में चुनाव को लेकर तनाव का माहौल है। आज अफगानिस्तान के विभिन्न स्थानों के लिए यह एक हिंसक दिन रहा। तालिबान की ओर से दक्षिणी हेलमंड प्रांत में हुई बमबारी में चुनाव में खड़े एक उम्मीदवार की मौत हो गई। तालिबान ने उत्तरी बगहलान में जांच चौकियों पर भी हमले किए, जिसमें छह पुलसकर्मियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह गोलीबारी चार घंटे तक चलती रही। तालिबान ने एक बयान में बुधवार को कहा कि वह शनिवार को होने वाले चुनाव को निशाना बनाएंगे। ।

वीजा शर्तो का उल्लघंन करने पर 12 पाक नागरिक हिरासत में

जयपुर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के जैतसर थाना क्षेत्र में गुरूवार सुबह 12 पाक नागरिकों को वीजा शर्तों का उल्लघंन करने पर हिरासत में ले लिया गया। थानाधिकारी विजय सिंह ने बताया कि ये सभी पाक नागरिक 13 अक्टूबर को हरिद्वार जाने के लिये पाकिस्तान से भारत आये थे। बृहस्पतिवार सुबह इन्हें वीजा की शर्तो का उल्लघंन करने पर सरूपसर स्टेशन से हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि ये सभी लोग हरिद्वार से वापस पाकिस्तान लौटने की जगह सूरतगढ तहसील में अपने रिश्तेदार से मिलने के लिये सरूपसर स्टेशन पहुंचे थे।

भारत की टेंशन बढ़ाएगा चीन, ब्रह्मोस से भी बेहतर मिसाइल देगा पाकिस्तान को

बीजिंग (एजेंसी)।

पाकिस्तान चीन से सुपरसोनिक मिसाइल खरीद सकता है, जोकि लागत प्रभावी होने के साथ-साथ भारत और रूस द्वारा विकसित ब्रह्मोस मिसाइल से बेहतर है. इस बात का जिक्र चीन की सरकारी मीडिया ने किया है. चीन द्वारा पाकिस्तान के साथ सबसे बड़ा ड्रोन सौदा करने का एलान करने के आद ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि एचडी-1 अन्य सुपरसोनिक मिसाइलों की तरह नहीं है, क्योंकि इसमें ईंधन की जरूरत कम होती है, उड़ान अधिक तीव्र व लंबी दूरी की होती है.

सौदे के अनुसार, चीन पाकिस्तान को 48 ड्रोन मुहैया कराएगा. गौतलब है कि बीजिंग द्वारा इस्लामाबाद को सबसे ज्यादा हथियारों की आपूर्ति की जाती है. मिसाइल के सफल परीक्षण के मौके पर चीन के एक सैन्य विशेषज्ञ ने कहा कि एचडी-1 का मुकाबला हथियारों के अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत कम है.

मिसाइल को दक्षिणी चीन की कंपनी गुआंगदोंग होंग्दा ब्लास्टिंग ने बनाया है. ग्लोबल टाइम्स ने कंपनी के हवाले से बताया कि उत्तर चीन में मिसाइल का परीक्षण किया गया. बयान के अनुसार, सुपरसोनिक मिसाइल के सभी मानक अपनी जगह खरा साबित हुए थे. बीजिंग के सैन्य विश्लेषक वेई दोंग्क्सू ने कहा कि एचडी-1 के उच्च ठोस ईंधन रैमजेट में इसके प्रतिस्र्धी मिसाइलों की तुलना में कम ईंधन की आवश्यकता होती है, जबकि यह उनसे तेज उड़ान भरने में समर्थ है और दूरी भी ज्यादा तय करती है.

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान और मध्य-पूर्व के देश सुपरसोनिक की चाल से मिसाइल रोधी तंत्र को तोड़ने में समर्थ इस मिसाइल में दिलचस्पी ले सकते हैं.' उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस ज्यादा खर्चीली और कम उपयोगी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारत और रूस ने विकसित किया है.

चीन के आयात पर शुल्कों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर असर नहीं : ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका द्वारा चीनी उत्पादों पर लगाए गए भारी भरकम अतिरिक्त शुल्क से अमेरिकी अर्थव्यवस्था प्रभावित नहीं हुई है। अमेरिका ने चीन के 250 अरब डॉलर के उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के साथ साक्षात्कार में चीन के साथ व्यापार करार वार्ता शुरू करने की संभावना से इनकार किया। राष्ट्रपति ने कहा कि चीन अभी इस तरह की वार्ता के लिए तैयार नहीं है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अमेरिका ने चीन के पुनर्निर्माण में सहयोग दिया। ''अब वे 250 अरब डॉलर पर 25 प्रतिशत शुल्क दे रहे हैं। इससे हमारी अर्थव्यवस्था प्रभावित नहीं हुई है। लागत नहीं बढ़ी है। मुद्रास्फीति अभी निचले स्तर पर है।''

दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर अमेरिका और पाकिस्तान के सैन्य अफसरों ने की बातचीत

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल जोसेफ डनफोर्ड ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष जनरल जुबैर महमूद हयात से भेंट कर दक्षिण एशिया के मौजूदा सुरक्षा हालात पर चर्चा की. पेंटागन ने बताया कि डनफोर्ड ने इस सप्ताह 'काउंटर वायलेंट एक्सट्रीमिस्ट चीफ्स ऑफ डिफेंस कांफ्रेंस' की मेजबानी की थी जिसमें 80 से ज्यादा देशों के रक्षा प्रमुखों ने हिस्सा लिया था. 'ज्वाइंट बेस एंड्र्यूस' में आयोजित इस सम्मेलन के दौरान हिंसक चरमपंथी संगठनों से निपटने पर चर्चा हुई. जनरल हयात ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया.

ज्वाइंट स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल पैट्रिक एस. रायडर ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों (डनफोर्ड और हयात) ने दक्षिण एशिया में मौजूदा सुरक्षा हालात पर चर्चा की. पेंटागन की ओर से जारी बयान के अनुसार, पूरे सम्मेलन में डनफोर्ड ने सैन्य नेटवर्क में विस्तार की जरूरत और हिंसा से निपटने के लिए साथ मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया.

भारत से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा: पाकिस्तान

उधर, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने सोमवार को कहा कि भारत के आक्रामक रवैये और उसके द्वारा खतरनाक हथियारों को शामिल करने से दक्षिण एशिया में रणनीतिक स्थिरता को खतरा है. यहां एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'वैश्विक अप्रसार व्यवस्था = चुनौतियां और प्रतिक्रिया' को संबोधित करते हुए अल्वी ने कहा, ÷दक्षिण एशिया में रणनीतिक स्थिरता को भारत के आक्रामक रवैये और खतरनाक हथियारों को शामिल करने से खतरा है.÷

रेडियो पाकिस्तान ने उनके हवाले से कहा, 'कुछ देशों द्वारा भारत को परमाणु प्रौद्योगिकी और उन्नत सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति के संबंध में भेदभाव पूर्ण छूट ने क्षेत्रीय सुरक्षा को और जटिल बना दिया है और अप्रसार व्यवस्था की जवाबदेही को कमजोर कर दिया है.'

राष्ट्रपति ने हालांकि उम्मीद जताई कि पाकिस्तान और भारत रणनीतिक स्थिरता के लिए एक संरचना पर सहमति जताएंगे.

अल्वी ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि अच्छी भावना प्रबल होगी. पाकिस्तान क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार संयम व जवाबदेही का प्रदर्शन करता रहेगा.'

उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सर्जिकल स्ट्राइक और सीमित युद्ध की चर्चा पर संज्ञान लेने का आह्वान करते हुए कहा, ÷किसी को भी पाकिस्तान की क्षेत्रीय सुरक्षा व संप्रभुता की रक्षा करने की क्षमता पर शक नहीं करना चाहिए.'

अल्वी ने कहा, 'इस्लामाबाद ने विश्वास बहाली के उपायों, हथियारों की होड़ से बचने के लिए भारत से सार्थक वार्ता की उम्मीद नहीं छोड़ी है. दोनों देशों को सेना पर खर्च को बचाने और इसे गरीबों के कल्याण पर खर्च करने की जरूरत है.

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे तीन दिनों के दौरे पर भारत आएंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय दौरे पर भारत आएंगे। उनका दौरा मीडिया में आई इन विवादास्पद खबरों के बीच हो रहा है जिसमें कहा गया है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर उनकी हत्या करवाने के आरोप लगाए हैं। इस दावे को कोलंबो ने ''गलत'' बताते हुए खारिज कर दिया है। विक्रमसिंघे बृहस्पतिवार की शाम को यहां दौरे पर पहुंचेंगे और शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई मुद्दों पर बातचीत करेंगे। भारत सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने भी बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और अपने बारे में मीडिया में आई खबरों को ''पूरी तरह खारिज'' किया जिसमें कहा गया है कि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग ने उनकी और एक पूर्व रक्षा सचिव की हत्या का कथित तौर पर षड्यंत्र रचा है। बयान में कहा गया है, ''राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर और श्रीलंका की सरकार ने भी इन खबरों का सार्वजनिक रूप से खंडन किया है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त के साथ आज सुबह बैठक भी की।'' श्रीलंका की सरकार ने भी मीडिया में आई खबरों को ''आधारहीन और गलत'' बताया। विक्रमसिंघे के दौरे में दोनों प्रधानमंत्री जाफना में भारत के सहयोग से बन रही आवासीय परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। वे तमिल मुद्दों पर भी चर्चा कर सकते हैं। दौरे में गृह मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भी विक्रमसिंघे से मुलाकात करेंगे।

कैलिफोर्निया के चिड़ियाघर में 47 वर्षीय भारतीय हथिनी 'सुजाता' की मृत्यु

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

कैलिफोर्निया के सैंटा बारबरा चिड़ियाघर में अपनी सहेली लिटिल मैक के साथ पिछले 46 साल से रह रही 'सुजाता' नामक भारतीय हथिनी की मंगलवार की रात मृत्यु हो गई। 'सुजाता' (47) की मौत उसकी 46 वर्षीय सहेली लिटिल मैक के साथ साथ चिड़ियाघर के सभी कर्मचारियों और उससे मिलने आने दर्शकों के लिए भी दुखदायी है। बढ़ती उम्र के कारण सुजाता को पिछले तीन साल से काफी परेशानियां हो रही थीं। तमाम दवाओं और इलाज के बावजूद कोई फायदा नहीं हो रहा था। पिछले दो सप्ताह में उसकी हालत ज्यादा बिगड़ने पर चिड़ियाघर ने उसकी पीड़ा का अंत करने का फैसला लिया। मंगलवार की रात सुजाता को मौत की नींद सुला दिया गया। चिड़ियाघर के सीईओ रिच ब्लॉक ने बताया कि सुजाता की मौत के तुरंत बाद उसकी सहेली लिटिल मैक को उसके पास जाने दिया गया ताकि वह समझ सके कि अब सुजाता नहीं है। चिड़ियाघर की वेबसाइट पर पोस्ट बयान में ब्लॉक ने कहा है कि सुजाता की मौत पिछले 20 साल में उनके लिए शायद सबसे मुश्किल घड़ी है। सुजाता और लिटिल मैक को 1972 में भारत से कैलिफोर्निया लाया गया था। तब से दोनों यहीं थीं।

ब्लॉक का कहना है कि सुजाता को मौत की नींद सुलाने का फैसला बहुत मुश्किल था। वह वर्षों से देखभाल करने वाले कर्मचारियों के बेहद करीब थी। उनका कहना है कि सुजाता का जाना सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि लिटिल मैक के लिए भी

बेहद दुखद है। ब्लॉक का कहना है कि अब हमारा मुख्य काम लिटिल मैक की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना है कि उसे इस स्थिति में हरसंभव मदद मिल सके। हम उसके भविष्य से संबंधित विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति का बड़ा आरोप, मोदी से कहा- रॉ ने रची उनकी हत्या की साजिश

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। श्रीलंकाई राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की और उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया कि जिनमें सिरीसेना और पूर्व रक्षा सचिव को मारने की कथित साजिश में भारत के शामिल होने का इशारा किया गया था। उन्हें उद्धृत करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, '' शरारतपूर्ण और दुर्भावनापूर्ण रिपोर्ट पूरी तरह से आधारहीन और झूठी हैं तथा ऐसा प्रतीत होता है कि इनकी मंशा दोनों नेताओं और दो अच्छे पड़ोसियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को नुकसान पहुंचना है। ''राष्ट्रपति ने मोदी को उन कदम के बारे में जानकारी दी जो उन्होंने निजी तौर पर और सरकार ने इन रिपोर्टों को 'सार्वजनिक तौर पर खारिज' करने के लिए तुरंत उठाए थे। उन्होंने बुधवार सुबह श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त के साथ मुलाकात को स्मरण किया। बयान में कहा गया है, '' राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री को श्रीलंका और व्यक्तिगत तौर पर अपना भी एक सच्चा दोस्त मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत और श्रीलंका के बीच परस्पर लाभकारी रिश्तों को अहमियत देते हैं और उन्हें आगे मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री के साथ काम करने को दृढ़ हैं।'' मोदी ने राष्ट्रपति और उनकी सरकार द्वारा मामले को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करके दुर्भावनापूर्ण रिपोर्टों को दृढ़ता से खारिज करने के लिए उठाए गए त्वरित कदमों की सराहना की। मीडिया में रिपोर्टें आई थीं कि राष्ट्रपति सिरीसेना ने रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था और एक अहम बंदरगाह परियोजना भारत को देने का विरोध किया था।

अब यहां गर्भपात नहीं होगा अपराध, महिलाओं को रूढ़िवादी सोच से मिली आजादी

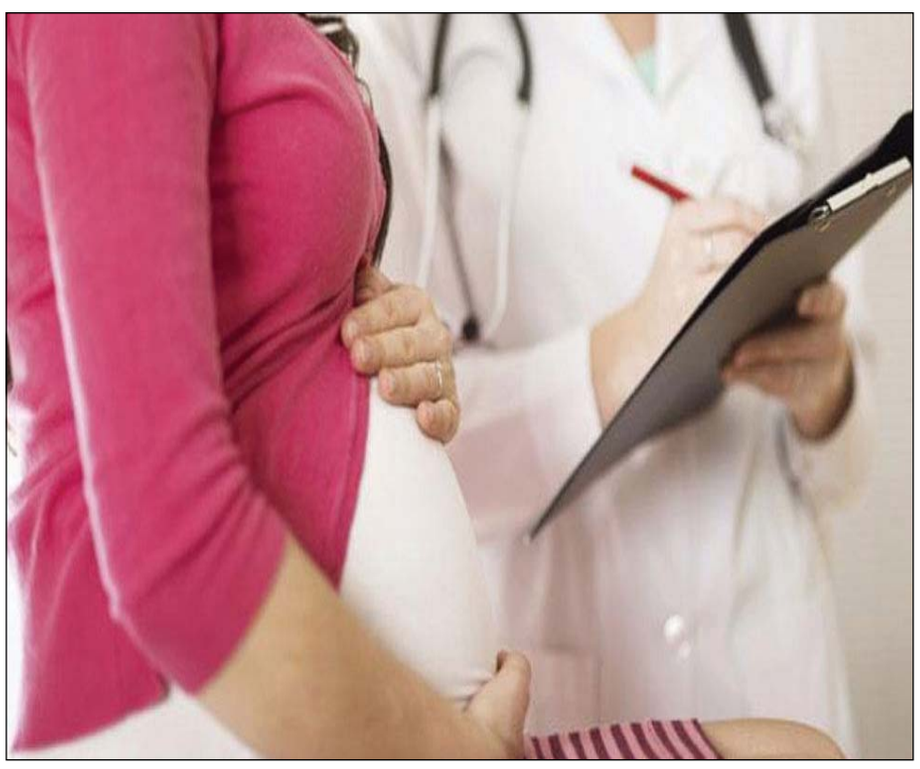

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के सबसे रूढ़ीवादी प्रांत माने जाने वाले क्वींसलैंड के जनप्रतिनिधियों ने सदियों पुराने 'नैतिकता कानून' को बदलकर महिलाओं को कानूनी तौर पर गर्भपात कराने की अनुमति दे दी है. इस कानून को बदलने के लिए करीब पांच दशक से आंदोलन चल रहा था. प्रांत की विधायिका ने बुधवार को 41 के मुकाबले 50 वोटों से 'नैतिकता कानून' को खत्म करने के प्रावधान के लिए वोट किया. अब नए कानून के तहत एक महिला 22 सप्ताह तक के भ्रूण का गर्भपात बिना किसी सवाल के करा सकेगी. इसके बाद गर्भपात कराने के लिए उसे दो डॉक्टरों से अनुमति लेनी होगी.

नया कानून गर्भपात की मेडिकल सुविधा मुहैया कराने वाले क्लीनिकों के आसपास 150 मीटर तक के क्षेत्र को सुरक्षित जोन के तहत रखता है जहां प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध है. सिर्फ इतना ही नहीं यदि कोई डॉक्टर स्वयं महिला का गर्भपात नहीं करना चाहता है तो उसे महिला को किसी अन्य डॉक्टर के पास रेफर करना होगा.

महिलाओं को चुनने की आजादी देने के पक्ष में 1970 के दशक से आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता ब्रिटिश शासन के दौरान 1899 में बने गर्भपात कानून को बदलने की मांग कर रहे थे. 1899 का यह कानून गर्भपात को 'नैतिकता के खिलाफ अपराध' करार देता था. हालांकि, गर्भपात कराने के लिए प्रांत में अब विरले ही लोगों को सजा मिलती थी, लेकिन कार्यकर्ता इस आपराधिक कानून को हमेशा के लिए खत्म करने की मांग कर रहे थे.

क्वींसलैंड में महिलाओं के पक्ष में यह कानून ऐसे वक्त में बना है जब प्रांतीय सरकार के पक्ष और विपक्ष दोनों ही में महिलाएं शीर्ष नेतृत्व में हैं. लेबर पार्टी की नेता और प्रांत की प्रीमियर एनास्तासिया पलासुक और डिप्टी प्रीमियर जैकी ट्रैड लंबे समय से इस अभियान से जुड़े हुए थे.

वहीं क्वींसलैंड की मुख्य रूढ़ीवादी विपक्षी पार्टी लिबरल नेशनल पार्टी (एलएनपी) की प्रमुख भी एक महिला, डेब फ्रैंक्लिंगटन हैं. हालांकि, एलएनपी हमेशा से गर्भपात के खिलाफ रही है लेकिन फ्रैंक्लिंगटन ने अपनी पार्टी के सदस्यों को इस कानून के संबंध में अपनी इच्छानुसार वोट करने की छूट दी थी. यही वजह है कि कानून पारित हुआ है. क्वींसलैंड से नैतिकता कानून खत्म किए जाने के बाद अब न्यू साउथ वेल्स ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र प्रांत है जहां गर्भपात कराना अब भी अपराध है. सिडनी इसी प्रांत का हिस्सा है.

सूरत। गुरुवार की शाम सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति द्वारा दशेहरा के उपलक्ष्य में भाजपा सरकार की नाकामी से दुष्णरुपी रावण-राक्षस पूतले का दहन किया गया। यह कार्यक्रम सीतानगर चौक, पुणा में रखा गया जिसमें सूरत शहर के कांग्रेस प्रमुख बाबुभाई रायका, पालिका विपक्ष के नेता प्रफुल तोगड़ीया, कांग्रेस पक्षना कोर्पोरेटरों तथा कांग्रेस के कार्यकरों ने भाग लिया।

तीन लोगों का मोबाइल छीना

सूरत। शहर के अठवा और वराछा में तीन मोबाइल स्नेचिंग की पुलिस थाने में शिकायत दर्ज हुई है।

अठवा पुलिस सूत्रों के अनुसार वराछा एल.एच. रोड स्टेट बैंक के एटीएम मशीन के सिक्युरिटी गार्ड के रूम में रहनेवाले लोकेन्द्र सिंह सीताराम सिंह महादेद सिंह गत रोज सुबह साढे सात बजे नवसारी बाजार हनुमान चार रास्ता के पास से गुजर रहा था उसी समय बाइक पर आए दो अज्ञातों ने उनके हाथ से 8 हजार रूपए की कीमत का मोबाइल झपट लिया और फरार हो गया।

वराछा पुलिस सूत्रों के अनुसार वराछा मातावाडी सागर एपार्टमेन्ट निवासी विक्रम वीहा सांखट गत रोज 18 जुलाई को मातावाडी लंबे हनुमान रोड हंस सोसायटी से बाइक पर आए दो अज्ञातों के हाथ से 5 हजार रूपए की कीमत का मोबाइल लूट लिया जबकि अन्य घटना में वराछा मारूति चौक भरतनगर सोसायटी में रहनेवाले दिनेश वेलजी मुंजाणी ने गत रोजमारूति चौक गोपाल डेरी के पास से गुजरते समय बाइक पर आए दो अज्ञातों के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

लिंबायत में चोरी के 19 मोबाइल के साथ दो गिरफ्तार

सूरत। शहर के मॉडल टाउन निकट से पुलिस ने चोरी के 19 मोबाइल के साथ किशोर समेत दो मोबाइल चोरों को गिरफ्तार कर किया है। पुलिस ने उनके पास से 89 हजार का सामान जब्त कर आगे की जांच शुरू की है। लिंबायत पुलिस सूत्रों के अनुसार पूर्व सूचना के आधार पर मोडल टाउन निकट से उमरवाडा, कमेला दरवाजा निवासी आफताब

रूस्तम खान पठाण और किशोर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के पास से चोरी के 19 मोबाइल समेत 89500 रूपए का सामान जब्त किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

नवरात्रि के नौ दिन पूरे होने के बाद घर में पूजा विधि होने के बाद भक्तों ने साबरमती रिवरफ्रन्ट में पूजा की सामग्री और जवारा का विसर्जन किया गया।

बकरा के व्यापारी पर हमला

सूरत। शहर के रूदरपुरा इलाके में मनपा ने लारी गल्ले को हटाने की रंजिश में बकरा के व्यापारी पर चार लोगों ने हमला कर जान से मारने की धमकी दी। घटना के संदर्भ में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवायी गई है।

अठवा पुलिस पुलिस सूत्रों के अनुसार सूरत महानगरपालिका ने रूदरपुरा हिन्दु कॉलोनी के पास लारी का अतिक्रमण हटाया गया। इसमें कालु, वसीम, जावी और समीर की भी लारी हटायी गई। चारों को आशंका थी कि बकरा व्यापारी अब्दुल करीम मिया हाफेज ने पालिका में अर्जी की थी जिसकी रंजिश रखकर गत रोज अब्दुल करीम को पकड़कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अब्दुल करीम की शिकायत के आधार पर चारों आरोपियं

दशहरा के अवसर पर होमगार्ड हेडक्वार्टर पर शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया।

मोबाइल चोर रिक्शा चालक गिरोह गिरफ्त में

सूरत। मोबाइल चोरो करनेवाले रिक्शा चालक गिरोह को पुणा पुलिस ने कुंभारिया रोड भवानी इण्डस्ट्रीज के गेट के पास से गिरफ्तार कर उसके पास से पांच मोबाइल और ऑटो बरामद किया है। कादरशा की नाल निवासी नितीन अशोक जादव , गोपीपुरा निवासी सलीम अब्दुल्ला शेख , भेस्तान निवासी आबिदखान गफुरखान पठाण , भेस्तान आवास निवासी रफीक रउफ शेख और भेस्तान निवासी अनवर इस्माइल शेख को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच मोबाइल जब्त किए।

युवक की आत्महत्या की वजह से सनसनी मच गई

सूरत में एमबीए के विद्यार्थी ने ९वीं मंजिल से छलांग लगाई

सुसाइड नोट में चौंकानेवाला खुलासा कि, मेरा मानसिक संतुलन बराबर नहीं है, इसी वजह से आत्महत्या कर रहा हूं

सूरत। सूरत के वेडरोड पर रहते तुलसी रेसीडेन्सी में रहते और एमबीए में पढ़ाई करते विद्यार्थी ने रेसीडेन्सी अपार्टमेन्ट की ९वीं मंजिल से गुरुवार को छलांग लगाकर आत्महत्या करने से सनसनी मच गई । पुलिस को मिली सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि, मेरा मानसिक संतुलन बराबर नहीं है, और खराब विचार आते हैं इसीलिए आत्महत्या कर रहा हूं । इस घटना की वजह से राज्यभर में विशेष करके विद्यार्थियों और अभिभावकों में सनसनी मच गई । स्थानीय निवासियों में तो युवक की आत्महत्या की वजह से शोक की लहर फैल गई है।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के वेडरोड पर तुलसी रेसीडेन्सी स्थित है । तुलसी रेसीडेन्सी में पार्थ बाबुभाई मावाणी (उम्र.२१) रहते है और भगवान महावीर कॉलेज में एमबीए के अंतिम वर्ष में पढ़ाई करते है। पिताजी हीरा दलाली का धंधा करते है । पिछले चार महीने से पार्थ डीप्रेशन में आ गया था। डीप्रेशन में आ जाने के कारण परिवार द्वारा इसका उपचार किया जा रहा था। बुधवार को सुबह में चार बजे के करीब उसने अपार्टमेन्ट में ९वीं मंजिल में गया था और ९वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना के मामले में नाइट में डयुटी करते सिक्यॉरिटी को जानकारी मिलने पर उसने घर के व्यक्तियों को जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर चौकबाजार पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में मृतक के रुम में से स्युसाइड नोट मिली । जिसमें मृतक ने लिखा है कि, मेरा मानसिक संतुलन बराबर नहीं है, और खराब विचार आते है इसी वजह से आत्महत्या कर रहा हूं। घटना मामले में चौक बाजार पुलिस ने दुर्घटना से मौत का अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। इस विद्यार्थी की आत्महत्या की वजह से स्थानीय निवासियों में शोक की लहर फैल गई है।

राज्य की ग्रांटेड स्कूलों में आज से परीक्षा शुरू

सीबीएसई कक्षा १०-१२ की परीक्षा का रजिस्ट्रेशन शुरू

राज्य की सरकारी स्कूलों में २४ अक्टूबर से परीक्षा

अहमदाबाद। सीबीएसई की कक्षा-१० और १२ की परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों के लिए आज से रजिस्ट्रेशन चालू किया गया है । सीबीएसई द्वारा विद्यार्थियों के लिए इस वर्ष में स्पष्ट सूचना जारी किया गया है कि विद्यार्थी उम्मीदवार को परीक्षा के रजि स्ट्रेशन समय में आधार नंबर लिखना अनिवार्य नहीं है। इसके पहले के वर्ष में अनिवार्य था इसके साथ-साथ अब नवरात्रि वेकेशन पूरा होने पर अहमदाबाद सहित राज्यभर की ग्रांटेड स्कूलों में शुक्रवार से परीक्षा शुरू हो रही है जबकि राज्यभर की सरकारी स्कूलों में एक साथ २४ अक्टूबर से परीक्षा शुरू होगी ।

सीबीएसई के कक्षा-१० के विद्यार्थियों को ७५० रुपये परीक्षा फीस चुकानी पड़ेगी एक से ज्यादा विषय की पसंदगी पर १५० रुपये फीस चुकानी पड़ेगी इसी तरीके से कक्षा-१२ के विद्यार्थियों को पांच विषय के लिए ७५० और इसके ज्यादा विषयों के लिए १५० रुपये फीस चुकानी पड़ेगी । विद्यार्थी १६ अक्टूबर से ५ नवम्बर तक ऑनलाइन फोर्म भर सकते हैं । इसके बाद छुट गये विद्यार्थियों को लेट फीस के साथ रजि स्ट्रेशन कराना पड़ेगा । कक्षा-९ और ११ के विद्यार्थियों का रजि स्ट्रेशन शुरू हो गया है । जिसकी अंतिम तारीख २२ अक्टूबर है जिन स्कूलों ने जिस विषय की मान्यता ली होगी उसी विषयों का विद्यार्थियों को रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा । हिन्दी में दो और अंग्रेजी में तीन विकल्प मिलेगे । राज्य की निजी स्कूलों के विरोध के बीच नवरात्रि वेकेशन पूरा हो गया है । अहमदाबाद सहित राज्य की ग्रांटेड स्कूलों में शुक्रवार से परीक्षा शुरू होगी । इस वर्ष में नवरात्रि वेकेशन की वजह से निजी और ग्रांटेड स्कूलों का शेड्यूल ठप हो गया है । २४ अक्टूबर से राज्य की सभी सरकारी स्कूलों में परीक्षा शुरू हो रही है । ३० अक्टूबर तक आचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थी परीक्षाकार्य में व्यस्त रहेंगे । इसके बाद ५ नवम्बर से दिवाली वेकेशन शुरू हो रहा है । इसी वजह से सभी स्कूलों में परीक्षा का परिणाम दिवाली वेकेशन के बाद घोषणा की जाएगी ।

मुख्यमंत्री रुपाणी ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की मुलाकात की

अहमदाबाद । स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लोकार्पण को अब कुछ ही दिन बाकी रहे है । अब गुरुवार को सीएम विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लोकार्पण की तैयारियों का निरीक्षण किया । इसके साथ ही अधिकारियों के साथ कामकाज की तैयारी का प्रेजेन्टेशन देखा और टेन्ट सिटी की मुलाकात की । इस अवसर पर सीएम विजय रुपाणी ने बताया है कि, सरदार पटेल की विश्व की यह सबसे ऊंची प्रतिमा भारत देश की एकता का परिचय देता है । विश्वभर के लोग इसे देखने के लिए यहां आयेंगे तब विदेशी मेहमानों के लिए भी पर्यटन के दृष्टिकोण से विशेष व्यवस्था और सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी । विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी फिलहाल तैयार है । जिसका लोकार्पण ३१ अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे । जिसे लेकर तैयारियां चल रही है, अब केन्द्र से और राज्य के सचिव की सभी टीमों ने जरूरी कामकाज का निदर्शन करके रिपोर्ट मुख्यमंत्री को दिया था । अब तैयारी की अंतिम ओप की समीक्षा करने के लिए सीएम विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल सरदार सरोवर नर्मदा बांध और स्टेच्यू की मुलाकात लेने के लिए केवडिया कोलोनी पहुंचे ।

बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे

पल्ली में लाखों किलों शुद्ध घी का अभिषेक किया गया

हर साल की तरह इस साल भी लाखों श्रद्धालु वरदायनी माता के दर्शन किए : रुपाल में बही शुद्ध घी की नदियां

अहमदाबाद । नवरात्री पर्व के दौरान आखिरी दिन गांधीनगर के निकट रुपाल गांव में वरदायनी माता के मंदिर से धार्मिक माहौल के बीच पल्ली (माता की सवारी) निकाली गई थी । परंपरागत तरीके से इस पल्ली पर शुद्ध घी से अभिषेक किया जाता हैं । देर रात निकली इस पल्ली में करोड़ों के घी से अभिषेक किया गया । कई लोग तो १५ किलो घी के डिब्बे सीधे ट्रोली में डालते हुए दिखे । गांव में धार्मिक माहौल देखने मिला था । श्रद्धा की देवी वरदायनी माता के दर्शन के लिए लाखो श्रद्धालु आये थे । गांव में सीसीटीवी कैमरे भी तैनात किए गए थे । श्रद्धालु की संख्या अधिक होने के कारण श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्था की गई थी और जिला कलेक्टर द्वारा तंत्र को अलर्ट किया गया था । मंदिर के आसपास तथा गांव में पुलिस तैनात की गई थी । रुपाल में पुरी रात धार्मिक वातावरण रहा था । भक्तों को माता के दर्शन करने का मौका मिला था । गांधीनगर के पास सुप्रसिद्ध रुपाल गांव में गुरुवार दोपहर से श्रद्धालुओं की भीड देखने मिली थी । साथ ही गांव की गली गली में रखी गई ट्रेक्टर ट्रॉली शुद्ध घी से भरी हुई दिखाई दे रही थी । मंदिर में रखे गए पीप में भक्तों द्वारा घी डाला जा रहा था । मानता पूरी करने आए भक्तों द्वारा घी खरीदने के लिए मंदिर के आसपास दुकानों में भीड देखने मिली । मंदिर में कडी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी । श्रद्धालुओं की भीड के कारण मंदिर के आसपास के रास्ते पांच बजे से बंद कर दिए गए थे । मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार करीब कई श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए थे तथा माता की पल्ली पर चार लाख किलो से ज्यादा शुद्ध घी से अभिषेक किया गया था । गांधीनगर से १२ किलोमीटर दूरी पर स्थित रुपाल गांव की पहचान पल्ली के तौर पर अधिक होती है । यहां नवरात्री की नवमी के दिन शुद्ध घी की नदिया बहती है । पूजा अर्चना में अनाज, दलहन, घी का इस्तेमाल किया जाता है । मंदिर में पंच बली हवन किए जाते हैं । पल्ली के कार्य में गांव के लोग झुलकर माता की सेवा का लुफ्त उठाते हैं । पल्ली को फूलो से सजाया जाता है । रुपाल में बिराजमान वरदायनी माता का प्राचीन महत्व अधिक हैं ।

१५ से २० किलो घी के डिब्बे थे

मानता अनुसार श्रद्धालु द्वारा घी की खरीदी की गई

अहमदाबाद ।

गांधीनगर के करीब १२ किलोमीटर की दूरी पर स्थित रुपाल गांव में भव्य पल्ली का आयोजन किया गया था । जिसमें लाखो श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए थे । परंपरागत तौर पर निकली पल्ली में शुद्ध घी से अभिषेक किया गया था । गांव की गलियों और घरों को सजाया गया था । मंदिर के सामने और मंदिर के आसपास घी की बिक्री के लिए व्यापारी छोटी छोटी दुकाने खोल कर बैठे थे । श्रद्धालुओं ने मानता अनुसार घी की खरीदी की थी ।

पुलिस को जानकारी देते होने का कहकर युवक पर हमला

अहमदाबाद। शहर के सरसपुर क्षेत्र में स्थित शहरकोटडा पुलिस स्टेशन से कुछ दूरी पर गत दिन पुलिस को जानकारी देने वाले और कई अपराधों में शामिल युवक पर चार शख्सों ने घातक हमला करके फरार हो जाने से सनसनी मच गई है। पुलिस को मिली जानकारी देने के मामले में यह हमला हुए होने का प्राथमिक जांच में सामने आया है । शहरकोटडा पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है।

इस घटना में हमले करनेवाले चार शख्स अपराधी है और युवक पर हमले करते समय यह कहते थे कि अब की बार मेरा नाम लिया तो जिन्दा नहीं छोडूंगा जान से मार डालूंगा । सरसपुर क्षेत्र में स्थित झोपडपट्टी के मकान में रहती २३ वर्षीय नसीमबानु कुरेशी ने चार शख्स विरूद्ध में खुनी हमला करने की शिकायत की है । १५ तारीख को देर रात को रेलवे पुलिस ने नसीमबानु के देवर ऐयुब की किसी केस में गिरफ्तारी की थी । एक दिन लोकअप में रहने के बाद ऐयुब बरी हो गया था । मंगलवार को गफुर गली में रहता वाहिद संधी ऐयुब के पास आया था और आप मेरी गलत जानकारी पुलिस को देते हो, जिसके कारण गुरुवार को पुलिस मुझे गिरफ्तार करके ले गई थी यह बताकर वाद विवाद करके झगड़ा किया गया । वाहिद ने पुलिस शिकायत करने की धमकी देते ऐयुब वहां से चला गया था । गत दिन वाहिद इस मामले में दुश्मनी रखकर शहरकोटडा पुलिस स्टेशन से निकट ऐयुब पर खुनी हमला किया गया ।

ऐयुब पर वाहिद, जावेद, फावडो और बदरी नाम के युवकों ने चाकू के द्वारा हमला करके फरार हो गये । अब की बार मेरा नाम लिया तो जिन्दा नहीं छोडूंगा जान से मार डालूंगा यह कहकर चार शख्स ऐयुब हमला कर रहे थे ।

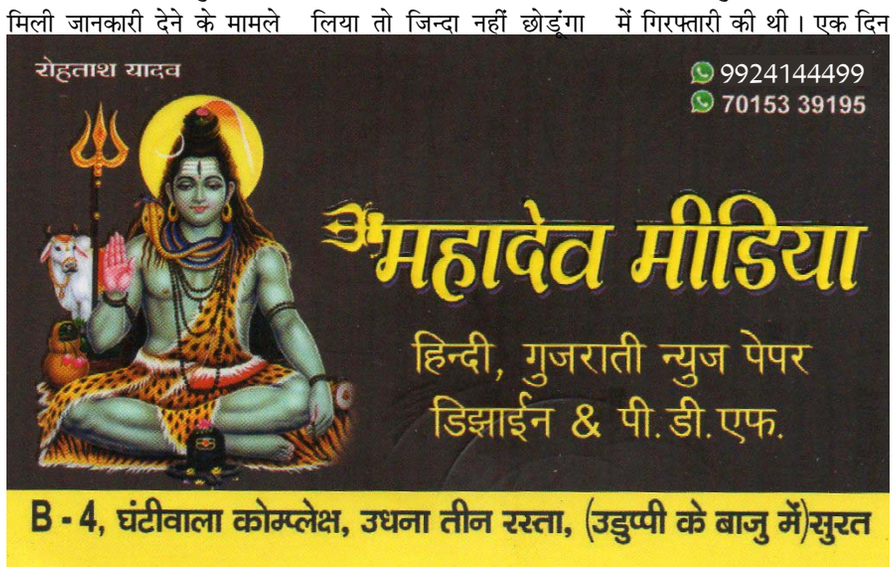

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com